Regarding requirement of flyovers on National Highway No. 121 and 48

श्री मुरारी लाल मीना (दौसा) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम सड़क एवं परिवहन मंत्री जी का ध्यान राष्ट्रीय राजमार्ग-121 की ओर आकर्षित करना चाहता हूं, जो आगरा से होकर राजस्थान के बीकानेर तक जाता है और दौसा, जयपुर, झुनझुनू, सीकर, चूरू से भी गुजरता है । इसका निर्माण 30 वर्ष पूर्व हुआ था । जिस समय इसका निर्माण हुआ था, उस समय कुछ ऐसी तकनीकी खामियां रह गईं थीं और कुछ ऐसे ब्लैक स्पॉट्स रह गये थे, जिन पर जबरदस्त एक्सीडेंट्स होते हैं । इस समय उस मार्ग पर ट्रैफिक भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है ।

सर, मेरा निवेदन यह है कि जितने भी वहां क्रांसिंग्स हैं, चाहे वे शहरों के बाइपास एंट्री के पास हों या दूसरी जगहों पर हों, जो क्रासिंग्स हैं, उन सारे क्रासिंग्स पर जो फ्लाई ओवर बनाए गए हैं, वे एक किलोमीटर आगे या एक किलोमीटर पीछे बना दिए गए हैं । मैं समझता हूं कि देश में ऐसा कोई हाईवे नहीं है, जिस पर क्रांसिंग आगे-पीछे बनाया गया हो । सभी जगह चौराहे पर क्रांसिंग बनते हैं । यह देश का एकमात्र ऐसा हाइवे है, जिसके सारे क्रांसिंग पर कहीं भी फ्लाई ओवर नहीं बनाए गए हैं । वे आगे-पीछे बनाए गए हैं । जो हमारा दौसा शहर है, उसके एंट्री प्वाइंट और आउटर प्वाइंट पर फ्लाई ओवर नहीं बनाए गए हैं । मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि जितने भी ब्लैक स्पॉट्स हैं, उन पर इम्प्रूवमेंट किया जाए और वे सारे फ्लाई ओवर चौराहे पर बनाए जाएं, ताकि एक्सीडेंट कम हो सके ।

महोदय, मेरा एक दूसरा निवेदन है । एक नेशनल हाईवे-48 दौसा होकर गुजरता है । वह खाटू श्याम जी को सीधा जोड़ता है । उसके ऊपर उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के ट्रैफिक का बहुत लोड है। वह राजमार्ग टू लेन का है । मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि उसको फोर लेन का किया जाए । उस राजमार्ग पर भी रोज एक्सीडेंट होते हैं । ये दो ऐसे टेक्निकल कारण हैं, जिनकी वजह से नेशनल हाईवे-121 और नेशनल हाईवे-48 पर जबरदस्त एक्सीडेंट होते हैं । हर महीने दो-चार मौतें हो जाती हैं । मेरा निवेदन है कि इनमें सुधार किया जाए । माननीय परिवहन मंत्री जी यहां पर नहीं है । वे काफी अच्छे हैं । रोड के मामले में उन्होंने देश में काफी काम किये हैं । वे इन दोनों राजमार्गों पर भी जरूर गौर करेंगे और उनमें सुधार करेंगे । बहुत-बहुत धन्यवाद ।